



एकटा महाराज जे उद्यमी आखिर कियेक निह बनल हेबाक पहिल प्रयास केलाह मैथिली में विवाह अइसन सिनेमा



ह्यजिर छी हम

अपन बोली मे ल के गाम–घरक हाल–समाचार

समदिया

जखन कोनो नव पत्र संसार मे प्रवेश करबाक साहस करैत अछि, त इ साधारण नियम अछि जे ओ अपन उद्देश्य बतावे. सारांश इ जे प्रत्येक पत्र के क्षमाप्रार्थीक रूप मे आवय पड़ैत छैक. हम एहि परंपरा के तोड़बाक साहस नहि क सकैत छी. आइ मकर संकांति थिक. अइ पावन अवसर पर हमरा ने किछ् कहबाक अछि कहि रहल छी. हमर पत्र तत्काल साप्ताहिक थिक, मुदा सीताक जनम दिन अर्थात सीता नवमी स एकरा प्रतिदिन करबाक विचार अछि. अहांक सहयोग भेटल त इ कागजो पर उतरत. एहि अखबार में संसार में होयवाला सब तरहक घटनाक जानकारी देबाक प्रयास रहत, मुदा हमरा मे तत्काल इ गप कहबाक साहत निह अछि कि एकर सबदा समाद अहांके उचिते लगात. हम एकरो गारंटी नहि लेब कि हम सबदा सत्य अहां तक पहुंचायब. सूचना कांतिक एहि युग मे किछु समस्याक हल समयक संग होयत. जहिया जेहेन जरुरत होयत हम अहां तक पहुंचब. कहबाक मतलब इ जे हम कोनो एकटा अंकक जिम्मेदारी एक बेर में लेब. हमरा जे भेटत अहां तक पहुंचत. हम बस समदियाक काज करब. एहि कारण इ पत्रक नाम

दोसर प्रश्न इ जे समादक जनम कियेक भ रहल अछि. हिंदी

आ अंगरेजी मे अनेक पत्र बाजार मे अछि. टीवी आ रेडियो सेहो चलि रहल अछि. इंटरनेट पर बिहार स जुड़ल सामग्री भरल अछि. एकर बावजूद समाद कियेक ? की हम कुंव मे अखबार निकालि रहल छी. या मैथिली मे बाजार स धन लेबा मे आसानी छैक ? ऐहन किछु नहि छैक. नहि हम कुंवग्रस्त छी आ नहि हम बाजार स धन लेबाक इच्छा रखैत छी. हमर इच्छा बस बिहारक विकास अछि संगहि हिंदी आओर अन्य क्षेत्रीय भाषाक अखबारक कतार मे मैथिलियो के देखय चाहैत छी. हम ओकर समकक्ष बैसय चाहैत छी. हम चाहैत छी, ने बिहारक विकास में हुनकर संग हमरो योगदान रहे. हम एक-दोसर के गलती के उभारि आओर राज्य-देश के सामने उचित गप के राखी. तेसर गप इ जे हमर विशेष उद्देश्य की अछि? हमर अखबार मे लिखल अछि ने ''आउ आब लौट चली''. बिहार विकासक मार्ग पर चलि चुकल अछि. ओ समय बीत गेल जखन के-कोना जा रहल अछि, एकर ज्ञान नहि छल. आइ सब मिल के विक. सित बिहार बनेवा में जुटल अछि. राजनीतिक दिशा बदलि गेल. नेताक भाषा बदलि गेल आओर बदलि रहल अछि आम लोकक मानसिकता. अपन धरती राजनीतिक सोच लेल विख्यात रहल अछि. नेता हमरा लोकनि के विकास कार्य से हटा के एखनि धरि धरना, मोरचा व यूनियन में झोंकैत रहला. अखबारो इ विचार स सहमत रहल जे बिहार में राजनीति व अपराध आसानी स बिका जाइत अछि. इ धारना कोनो समाजक विकास लेल खतरनाक अछि. हमर लक्ष्य मात्र बिहारक गौरब बढेबाक अछि. हम अपन समाज मे स्वाभिमानक संचार करवाक प्रयास करब. ककरो बिहारी होएवा में संकोच निह हेबाक चाही. इ स्वाभिमान अपन संस्कृति व संस्कार के बचेवा पर भेटत. जखन हमरा मे आत्म गौरव होयत त बाहरी लोक-वेदो हमरा आदर आ सम्मानक नजरि स देखताह, जखन हमर घर नीक रहत तखन कियो हमरा नीच निह कहत, मुदा हम इ बिसरि जाइत छी कि हम आइ कमाङ्क जरूर बाहर छी, मुदा हमर घर एखनो बिहार मे अछि. राजनीतिक सुधार, नव परिषद आदिक संबंध मे हम अपन मत दैत रहब, मुदा मूल मंत्र बस इएह ने बिहार व मिथिलाक गौरव बढए. बिहार व बिहारीक नाम आदर स लेल जाएह, जे-ने घटना व काज स एहन होयत हम ओकर पक्षपाती छी. जे एकर विपरीत होयत, हम ओकर विरोधी छी. एकर संग इ कहब सेहो जरूरी अछि जे हम देश स अलग कोनो समूह बनेबाक प्रयास नहि क रहल छी. बस जाति-धर्मक आधार पर

हम इ गपक हरदम प्रयास करब ने अपन घर उंच करबाक प्रयास मे दोसरक घरक दीवार के क्षति नहि होइ. हां, घरक निमार्ण मे अगर केओ बाधा देबाक प्रयास करत त हम ओकर प्रतिकार करब. बिहार में समाचारक मतलब केवल राजनीति आ अपराध होइत अछि, मुदा राज्यक एक मात्र अंग राजनीति नहि थिक. आर्थिक, सामाजिक आ वैज्ञानिक बदलाव पर हमर नीति स्पष्ट अछि. दुनियाक संग हमहूं सतत विकास मे संग चलब. शिक्षा व कृषि क्षेत्र में भ रहल बदलाव के पत्र में अलग स जगह देवाक प्रयास रहत. एहि क्षेत्र में हम कोना आगू बढ़ि सकैत छी, तकर रास्ता देखेबाक सेहो प्रयास करब. बाकी पेज तीन पर

बंटल बिहार के हम एकसूत्र में बान्हबाक प्रयास क रहल छी.

स्वामी विवेकानंदक कहने छींथ जे ककरो निजी जीवन में हमरा

लोकनिक जिज्ञासा निह रहबाक चाही, हम केवल ओकर सामा.

जिक जीवनक गप पर विचार करी.

हर-हर गंगे



ालू होयत चीनी मिल 60 सालक लीज पर देल गेल लोहट सहित 11 टा बंद मिल

मुख्य समदिया पटना : राज्य में बद पड़ल 11 टर चीनी

सुगौली, लौरिया आओर हथुआ के लेल हिंदुस्तान पट्रोलियम, मोतीपुर के लेल रिलायंस, लोहट के लेल राल्स कॉम, रैयामक लेल एसएस इंटरप्राइजेज, सीवान, सकरी, समस्तीपुर गुरारू, न्यू सीवान आओर बिहटाक लेल बियाडाक दोवदारी मानल गेल अछि.

गन्ना विकास मंत्री

नीतिश मिश्र

मिल के खुलबाक रास्ता साफ भ गेल. रिलायंस आओर हिंदुस्तान पट्टोलियम सहित कुल चारि टा बड़का कंपनी एहि गिल के चलेबाक जिम्मा लेत. एहि सप्ताह एहि मिल सब लेल भरल गेल टेंडर के खोलल गेल आओर सबसे बेसी टाकाक दावा ठोकेवाला कंपनी के मिल देबाक नीतिगत फैसला सेहो ल लेल गेल. बताउल जा रहल अछि जे 11रहो मिल 60 सालक लीज पर देल जा रहल अछि, लंबा अवधि लेल लीज पर इ मिल सबके देला स सरकार के कुल 300 करोड़ टाका खजाना में आउत. सबसे अहम गप इ अछि जे बियाडा सन बिहारी कंपनी के छहटा मिल चलेबाक जिम्मा भेट गेल अछि. हालांकि मोतीपुर मिल के परती पड़ल जमीन पर एकटा सीमेंट फैक्टरी लगेबाक सेहो प्रस्ताव आयल अछि. ओनो बनमनखी, गरौल आ वारशलीगंजक में रिथत मिल लेल सरकार लग एकोटा प्रस्ताव नहि पहुंचल गन्ना विकास मंत्री नीतिश मिश्र एहि संबंध में कहैंत छैथि जे ओ तीनू मिल लेल जल्द फेर स टेंडर आमंत्रिात केल जायत. श्री मिश्र जोर द के कहैत छैथि जे कोनो मिल बेचल नहि जा रहल अछि. बल्कि 60 साल

अवधि 30 साल लेल आओर बढ़ाउल जा सकेत अछि. एसबीआइ कैप्सक सुत्रक अनुसार सुगौली, लौरिया, हथुआ, मोतिपुर, लौहट आओर रैयाम के लिए देशक पैघ–पैघ कंपनी अपन दावेदारी प्रस्तुत केलक अछि. सुगौली, लौरिया आओर हथुआ के लेल हिंदुस्तान पट्रोलियम सबसे बेसी बोली लगौलक अछि. जखन कि मो. तिपुर के लेल रिलायंस सबसे बेसी बोली लगेलक अधि. लौहट के लेल राल्स कॉम आओर रैयामक लेल एसएस इंटरप्राइजेज सबसे बेसी बोलि लगौलक. सुगौलीक लेल सरकार सुरक्षित दाम 45.40 करोड़ रखने छल, जखन कि एचपीसीएल ऐहि मिल लेल 50 करोड टाका बोली लगौलक अछि. तहिना एचपीसीएल लौरिया के लेल 29.64 करोड़क सुरक्षित दामक जगह 45 करोड़ आओर हथुआ के लेल 41.98 करोड़क जगह 50 करोड़ टकाक बोली लगौलक अछि. मोतिपुरक लेल रिलायंस 55.36 करोड आरक्षित दामक आगू 57 करोड़क दावा पेश केलक अछि. लौहट के लेल राल्स कॉम, दिल्ली 26.14 करोड़क सामने 28 करोड़क दावा पेश केलक अछि. जखन कि रैयामक लेल एसएस इंटरप्राइजेज 8.35 करोडक

पटना : बिहार सरकार बाढ़ग्रस्त इलाका में टूटी गेल मकानक रंजनक अनुसार इ योजनाक तहत ओकरा 25 हजार टाका देल जैत जेकर मकान बाढ़ में टूटी गेल या ध्वस्त भ गेल. मुदा बदला में एकटा पक्का मकान बनेबाक योजना आरंभ केलक अछि. कैबिनेटक बैठक में इ योजिना के मंजूरी द देल गेल. सवाल उठैत अछि इ जे 25 हजार में कोन मकान बनत. एकटा

योजनाक अनुसार प्रत्येक मकान लेल सरकार 25 हजार टाका उपलब्ध कराउत. एहि योजनाक अनुसार बाढ़ ग्रस्त इलाका में कुल पांच लाख मकान बनत, जाहि पर कुल 1250 करोड़ टाका खर्च होयत. मंत्रीमंडल के प्रधान सचिव गिरीश रंजनक अनुसार राज्य के 22 बाढ़ग्रस्त जिला में मुख्यमंत्री आवास योजना लागू केल गेल अछि. अइमें सीमामढ़ी, अरिया, बेगूसराय, दरभंगा, खगड़िया, मधेपुरा, मुजफफरपुर, समस्तीपुर, शिवहर, सुपौल, प चंपारण, पू चंपारण,गोपालगंज, कटिहार, मधुबनी, नालंदा, पटना, सहरसा, सीवान, वैशाली आओर पूर्णिया शामिल केल अछि. कुल 1250 करोड़क इ योजना में वर्तमान साल में 350 करोड़ टाका देल जा रहल अछि, बाकी टाका अगिला साल देल जायत. श्री समाचार

त भारत में सरकार लग स चलल टाका आम लोक लग पहुंचैत-पहुंचैत आना में बदली जाइत अछि. ओहि पर स जल स लड़बा जोकर मकान बनेबा में 25 हजार कतेक मदद करत इ सरकारो जनैत छैथि. तखन त कहबा लेल ठीक अछि जे आगूक बाढ़ में ध्वस्त होइवाला मकान सरकारक देल टाका स तैयार भेल छल, सरकार एहिना आम लोकक टाकापाइन में बहबैत रहय. कियेक त सब साल बाढ़ आउत आ एहन मजबूत मकान बहा के ल जायत.उचित होयत जे सरकार कंकीटक एकटा एहन सामुदायिक मकान तैयार करै जाहिमें कम—स—कम दस टा परिवार रहि सकै, एहि स मजबूत मकान बनत आओर जमीनो कम लागत.





लैलेथि. बैंकक प्रबंधक के शंका भेल

प्रधानाध्यापिका तुरंत इ गप शिक्षा

समितिक सचिव के कहलक. शिक्षा

समितिक सचिव सुनीता देवी तत्काल

समितिक आपात बैठक बजौलैथि.

कहल.

आओर ओ इ गप

प्रधानाध्यापिका

समाद, पटना, 15 जनवरी, 2008

जालसाजी केलक पति त वेकि देलेथि मुकदमा

गोपालगंज : कहल जाइत अछि जे माध्यम स भेटल पांच हजारक चेक पर ओ 85 हजार रुपया निकालि स्कूल भवनक

महिला सब पुरूष स अधिक ईमानदार होइत छैथि. गोपालगंजक घटना स इ धरना के बल भेटल. शिक्षा समितिक सचिव सुनीता देवी आइक युग में एकटा मिसाल बनी गेली. ओ अपन पतिदेव के उपर जालसाजी के मुकदमा ठोकह देलेथि. एहि काज लेल हुनका घर में भारी विरोधक सामना करय पढ़ि रहल छैन. मुदा ओ आम लोकक पाइ स खिलवाड़ उचित नहि मानैत छैथ. इ मामला गोपालगंज जिलाक बैकंठपुर थाना क्षेत्रक राजकीय

विद्यालयक,दुबौली स जुड़ल अछि. प्राथमिक विद्यालयक भवन निमार्ण लेल 14 नवंबर के प्रधानाध्यापिका सुशीला देवी आओर शिक्षा सचिव सुनीता देवी अवधेश कुमार के पांच हजार टाकाक चेक देलखिन. कहल जाइत अछि जे

अवधेश कुमार सुनीता देवाीक पतिदेव छथिन. आम पतिदेव जेका ओहो अपन कनिया के सामान्य मौगी मानि लेने छेलाह. स्कूल भवनक लेल कनियाक छोट-छोट समाद

जलमार्ग–1 पर शुरू होयत कनटेनर प्रणाली

पटना : आब गाय घाट जेटी पर कनटेनर

प्रणाली शुरू भ जायत. एकरा लेल प्रयास तेज करि देल गेल अछि, एकरा लेल

साल भरि पहिने एकटा निजी कंपनी एकटा प्रस्ताव सौपने रहैय. जलपोत

परिवहन विमाग ओ प्रस्ताव के सैधांतिक रूप से मानि लेलक अछि, कनटेर प्रणाली

लागू भेला स एक बेर में 20 स 25 टन

माल लादल जा सकैत अछि. सड़क

आओर रेल मार्ग जेका जल मार्ग के विक.

सित करवा लेल इ योजना काफी नीक

पटना : बिहार सरकार आठवींक बिताब

से लालू प्रसाद के हटा देलक अछि.

शिक्षामंत्री क अनुसार आठवीं में पढाउल

जा रहल गद्य सोपान में कर्प्री ठाक्र

आओर भोला पासवान शास्त्री संग आब

लालू प्रसादक जीवन बच्चा नहि पढत.

सरकारक इ फेसला पर राजद काफी

तमसायल, मुदा सरकार नहि मानल.

पटना : बिहार सरकार शिक्षक नियुक्तिक

लेल देल गेल आवेदन संग पाइ लौटेबाक

निर्णय लेलक अछि. इ पाइ ओना

लालू-राबड़ी राजक दौरान लेल गेल

अछि. ओहि समय में आवेदन लेलाक बाद चयन प्रकिया रोकि देल गेल. जाहि स ककरो नौकरी त नहिये भेटल उलटे पाइ

सेहो डूबि गेल छल. बिहारक नव सरकार पिछला साल एक लाख शिक्षकक नियुक्ति केलाक बाद 2003 स बैंक में जमा आवे.

दनक पाइ के आवेदक के लौटेबाक प्रकिया शुरू करि देलक अछि.

लोकभाषा रहत तखने

संस्कृति बचत : वृशिण

पटना : शिक्षामंत्री वृशिण पटेलक कहब छैन

जे लोभाषा बचत तखने संस्कृति बचि

सकत. श्री पटेल विद्यापति भवन में

गौरीनाथ झा व्याख्यानमाला मे बाजि रहल

छेलाह. श्री पटेल कहलैथि जे भू

मंडलीकरणक इ दौर में क्षेत्रीय भाषाक

विकासक लेल आगू आबय पड़त, मैथिली

आइ अपन संस्कृतिक बल पर जीव रहल

अछि. संस्कृति भाषा के आओर भाषा संस्कृति

क बचा रहल अछि. मुदा समय रहैत अगर हम सब सकिय नहि होयब त खतरा आओर

बढि जायत. एहि अवसर पर श्री पटेल तीन

समदिया

नयी दिल्लीः खेती में कखनो सबसे उपर रहल

पंजाब आर्थिक सुधार के बाद कृषि विकासक

गोट किताबक लोकार्पण सेहो केलैथि

फरवरी मे लौटत

आवेदनक पाइ

आठवीं क किताब स

लालूक विदाई

लेलेथि 85 हजार समितिक बैठक में सुनीता देवी आम लोकक टाका के जालसाजी स निका. लि लेबाक लेल अवधेश कुमार के जिम्मेदार मानि स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज करबाक प्रस्ताव रखैथि, सुपीताक प्रस्ताव पर सर्वसम्मित बनल

निमार्णे लेल पांचक

जगह निकालि

प्रधानाध्यापिका आ सुनीता देवी थाना पहुंच अवधेश कुमारक खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करौलैथि. सुनीताक निर्णय समूचा बिहार में कहानी जेंका सुनायल जा रहल अछि. नीतीश सरकार में महिला के भेटन 50 फीसदी आरक्षण के इ घटना स बल भेटल अछि. ओनाओ भारती आओर गौतमीक धरती पर एहन महिला जनम एखनो भैये रहल अछि, इ शुभ समाद छी.



व्यवहारक प्रमाण अछि. बिहारक खेत में पानी नहि पहुंच पाबि रहल दैक. सरकार चाहियों के किसान पटना : बिहार सरकार बिजली संकट स परेशान अछि, बिहार के तय कोटा स कम बिजली भेटि के बिजली नहि द पाबि रहल छैक. राजधानी में त

बिजली कोनाओं उपलब्ध भ रहल अछि, रहल छैक. ओना बिहार में बिजली पैदा करबाक प्रयास भ रहल अछि, लेकिन ओकर जमीन पर जिलास्तर पर बिजलीक दशा बहुत खराब अछि. बिहार सरकार केंद्रीय पुल से अबैय में एखन समय लागत. देखल जे त बिहार में केंद्रीय बिजली संकट पर बिहार जे विजली लैत अधि औहि में

कोटा स जे बिजली भेटि रहल

समान अछि. एनटीपीसी तीन माह के बदला में दू साल बितलाक बादो कांटी थर्मल में चालू नहि क सकल अछि. बरौनी किछं बिजली दिय लागल अछि. फरक्का, ताल आओर कहलगांव ठप हाइत रहैत

रेलवे आओर नेपाल के दैत अछि. एहन में बिहार सरकार केंद्र से साफ किि देलक जे लगातार केंद्रीय पुल स कम बिजली भेटला पर रेलवे आओर नेपाल के बिजली देबा में बिहार

तरपत त केंद्र के राज्यक संगं केल जा रहल

व्यवहारक उत्तर देवा लेल मजबूर हुए पड़त. कुल

एक अछि आओर 17 जपवरी के मुख्यमंत्री सब दलक नेता संग बैठक करि रहल छैथि, जाहि में केंद्र से बिजली लेबा लेल रणनीति बनाउल जायत

छोट-छोट समाद

शहनाज हुसैनक बेटा केलक आत्महत्या

पटना : प्रख्यात ब्युटीशियन शहनाज हुसैनक बेटा समीर पटना क एग्जीविशन रोड स्थित मकबूल अपार्टमेंटक तेसर मंजिल स कूदी के आत्महत्या करि लेलैथि. पटना समीर सासुर छियेन आआ. र समीर अधिकतर अपन ससुरक मकान में रहैत छलाह. कहल जा रहल अछि जे पिछला किछु दिन स ओ मय शहनाज स तमसायल छलाह. हुनका 60 साल में मय के दोसर विवाह स्वीकार नहि छल. ओना पुलिस एकरा एकटा सामान्य घटना मानि रहल अछि. गप आओरो अछि. दिल्ली में खुलल मैथिली

भोजपुरी अकादमी नयी दिल्ली : दिल्ली सरकार अंततः

मैथिली आओर भोजपुरी अकादमी खोल. बाक निर्णय ल लेलक. सात जनवरी के आयोजित कैबिनेटक बैठक में एहि पर मुहर लागि गेल. मुख्यमंत्री शीला दिक्षित एहि अकादमीक पदेन अध्यक्ष हेती, एहि संबंध में शीला दीक्षित कहलैथि जे शीघ दूनू अकादमीक स्थापना केल जैत. दिल्ली मैथिली बजनीहारक संख्या काफी अछि. मैथिली के नजरअंदाज नहि केल जा सकैत अछि एके चौधरी बनलाह

बीपीएससीक अध्यक्ष पटना : पूर्व मुख्य सचिव अशोक कुमार चौधरी के बिहार लोक सेवा आयोगक

अध्यक्ष बनाओल गेल अछि, ओ पिछला साल नवंबर में रिटायर्ड भेल छलाह. श्री चौधरी वर्तमान अध्यक्ष एके अग्रवालक जगह लेलाह. श्री अग्रवाल 14 जनवरी के रिटायर्ड भय गेलाह. श्री चौधरी 2010 तक इ पद पर रहताह. पद भार ग्रहण केलाक बाद श्री चौधरी कहला जे परीक्षा में पारदर्शीता आनब हुनकर पहिल काज रहत. नालंदा में अगिला साल स पढाई शुरू

विश्वविद्यालय में अगिला साल स पढाई शुरू भ जायत. इ दावा मुख्यमंत्री नीतीश कुमारक छी. ओ दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति

आ इ विविक विजिटर डॉ कलाम स भेंट

केलाक बाद समदिया सब स गप में

कहलैथि जे श्री कलाम अगिला माह बिहार अउता. ओ नालंदा सेहो जेता. हुनक मार्ग दर्शन में आगूक काज निबटाउल जैत. ओना डाँ वाइएस राजनक नेतृत्व में एकटा कमेटी बनाउल गेल अछि जे विविक पाठकम तैयार क रहल अछि. एहि विवि लेल 500 एकड जमीन अधिग्रहित अछि, जखन कि 500 आओर अधिग्रहन करबाक अछि. एहि विवि क स्थापना पर 700 करोड खर्च होयत.

काटा स ज बजला माट रहत छै ओ काफी नहि छैक,मुदा केंद्र कें पत्र लिखलक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तक एतेक धरि कहि देलैथि जे लालूक जीवन एखन ओतबो बिजली बिहार के भाग्य बाकी अछि. पूरा हेबाक बादे हुनक में नहि अछि. बिहारक कोटाक बिजली आन राज्य जीवनक आदर्श ताकल जैत.

के देल जा रहल अछि. बिहार सरकार इ गए पर गंभीर अछि. पत्र लिखी केंद्र से पूछल गेल अछि जे बिहार की गुनाह अछि जे बिहारक कोटाक बिजली आन राज्य में बांटल जा रहल अछि, जखन की बुझल अछि जे बिहार में बिजलीक उत्पादन नहि के

एकटा समझौताक अनुसार असमर्थ अछि. बिहार सरकार इ स्पष्ट करि दिय चाहैत अछि जे किसान आओर छात्र बिजली लेल

सीइओ श्री शर्माक कहब छैन जे कि 26 जनवरी से शुरू होयत पब्लिक-प्राइवेट पाटनरशिपक आधार पर नांलदा में स्थापित होयवाला मलटीमिडिया संग्रहालय देशक अपन

मैलेय. दस करोड़क लागत स नालंदा सन पहिल सग्रहालय होयत. इसके में देशक पहिल मलटीमिडिया निमार्ण स नालंदा जिलाक विरासत संग्रहालयक निमार्ण शुरू भ गेले. के पर्यटकक समुख तसवीरक जरीये नालंदाक जिलाधिकारी आनंद किशोर प्रस्तुत करबाक प्रयास केल जैत.

विधिवत रूप से सरकार स भेटल स्वीकृति पत्रा प्रचीन भारत पर्यटन, बेंगलुरू के सीइओ नवीन कुमार शर्मा

के सौपलाह. स्वीकृति पा सौपवाक औपचारिकताक संगिष्ठि संग्रहालयक कृषि विकास में बिहार अव्वल

निमार्ण कार्य शुरू भय गेल. कहल जा रहल अछि जे 6-7 जनवरी 2006 के प्रदृश्य प्रभावक जरीये नालेदा स पूरा देशक पर्यटन स्थलक सब तरहक जानकारी देल जैत. एतिहासिक परिदृश्य प्रभागक जरीये नालंदाक अतीतक हैदराबाद में आयोजित आप्रवासी भारतीयक सम्मेलनक दौरान बिहारक मुख्यमत्री नीतीश कुमार व प्राचीन भारत पर्यटन, बेंगलुरूक बीच पर्यटन दर्शन करायल जायत. तेसर प्रभाग एनिमेशन थीडीक होयत. एक बेर फेर नालंदा स दुनिया आओर दुनिया नालंदा के देखि सकत. स्थानक विकासक परिल्पिना पर सहमति बनल छल. जाहि में आप्रवासी

तक आम लोक ले खोलि देल जायत. संग्रहालयक विशेषताक चर्चा करैत सीइओ श्री शर्मा कहलैथि ने अइमे शुरू में छह प्रभाग होयत. भौगोलिक समाद, पटना, 15 जनवरी, 2008

भारतीय निवेशक इच्छा जतेने छेलाह.

एकरा कोनो हालते 26 जनवरी, 2008





गुरूमेल सिंह के मानी त बिहार मे आर्थिक

ठमकि गेल अछि. हैरतक गप अछि जे उर्वरता के बचेवा लेल किछु नहि भय रहल अछि, जखन कि बिहार में तरकारी आओर अन्य वस्तुक पैदावार

के ओकर 50 प्रतिशत अनाज दय रहल छैथि,

निह सकैत अछि, इ पूर्णत रूप स केंद्रक जिम्मा

में अछि. मुदा ओ कई प्रश्नक उत्तर नहि दय सकला जे विपरित परिस्थितियों में बिहार सबसे

उपर कोना भय गेल. निश्चित रूप से बिहार

किसान आब राज्यक विकास में अपन योगदान

ओहिना दय रहल छैथि जेका 60क दशक में

पटना : मैथिली पत्रिका जेका मैथिली सिनेमा

सेहो कम बनल आओर जे बनल ओ बाजारक

अनुरूप नहि बनाउल गेल. सच पृष्ठि त आइ धरि जे मैथिली में सिनेमा बनल ओ मूल रूप स

समाज सेवा छल. ओना त मैथिली में अनेक

सिनेमा बनि चुकल अछि मुदा सस्ता जिनगी महग सेनूर के छोड़ि दी त मात्रा ममता गावे गीत

अपन खर्च निकालि पैलक. ममता गावे गीत हिट

भेल मुदा ओ अपन कहानी या अभिनय स बेसी

मैथिली में आयल सिनेमाक कारणे लोक-वेद के

हाल तक खिंचलक. सस्ता जिनगी महग सेनूर

जहिया सिनेमा हाल में लगाल, ओकरा देखनिहार

नहि भेटल. ओ त संयोग छल जे किछ नव

तुरिया हो–हल्ला करि के सिनेमा के चर्चित बना

र्देलैथि आ दू दिनक बाद दरभंगा में ओकर

टिकट भेटब कठिन भ गेल. कारण इ जे सस्ता

जिनगी.. के प्रचारित नहिं केल गेल. लोक के

बुझले नहि छेलैक जे मैथिली सिनेमो बनि रहल

छैक. सस्ता जिनगीक हिट भेलाक बाद ओकरा

भजेबा में भोजपुरी आगू रहल. मैथिली में आए

पिया हमर नगरी सन बकवास सिनेमा बना के

बनल बाजार के मणिकांत बाबू चैपट कय देहाल.

जेकर असर सेनूरक लाज के उठावय परल. निक

कहानी रहितो लोक देखैलेल नहि गेल. एकटा

निक सिनेमा बनैत अछि आओर ओकर बाद द्

टा खराब बनला स बाजार ट्टी जाइत अछि

किया कि हिंदी आओर अन्य बोली जेका मैथिली

में हर सप्ताह या महिना सिनेमा नहि बनैत अछि.

जरूरत अछि ऐहन मैथिली सिनेमा के जे कहानी

पंजाब किसान देने रहैथि.

मैथिली सिनेमा

विवाह सन सिनेमा कियेक

नहि चलत,

मुदा बनय त

अध्कि करबाक कारणे सूची में सबसे उपर अछि. मामला में सबसे पाछू वाला राज्य में स एक भय उदारीकरणक बाद खेतीक विकास सबसे तेज गति स गेलैक अछि. जखन की बिहार अइ रेस में सबसे बिहार में खेतीक विकासक दर 4.4 प्रतिशतक भ रहल अछि. जखन कि पंजाब 17 राज्यक सूची मे आसपास अष्ठि. पंजाबक मुख्यमंत्री। प्रकाश सिंह आग् अछि. 14वां स्थान पर पहुंच गेल अछि. पंजाब विश्वविद्यालय, चंडिगढ़ में अर्थशास्त्राक बादल स्वीकार करैत छैथ जे पंजाब आब बिहार शिक्षक गुरूमेल सिंह के मानी त बिहार में आर्थिक स पिछड़ी गेल अछि, लेकिन अइ लेल जिम्मेदारी दिल्ली पर लादी देलाह. हुनक कहबा छैन जे उदारिकरणक बाद खेतीक विकास सबसे तेज बति से भय रहल अछि. जखन की पंजाब 17 राज्यक हालांकि पंजाबक दू प्रतिशत किसाने केंद्रीय पुल

पंजाबक इ हाल के राज्य सरकारो स्वीकार कय लेकिन हुनका नीक दाम नहि देल जा रहल अछि. जरूरत अछि अनाजक दाम बाजारक अनुरूप तय रहल अछि. सिंह जी अपन शोध में कहलाह कि करल जाय. जखन धरे इ नहि होयत किसानक पंजाबक माटी बांझ भय रहल अछि. संगहि भला नहि होयत. ऐहि में पंजाब सरकार किछु कय

तकनीको आब पुरान भ गेल अछि, एकर अनावा खराब मौसम आओर खाद्य तेल संग वस्तुक आयातोक मामला पंजाबके पाछू धकेलवा में मददगार रहल. 30 साल तक लगातार चारि प्रतिशत स बेसी विकास दर बना के रखलाक बाद

सूची में 14वां स्थान पर पहुंच गेल अछि. ओना

नीचा आबि गेल. पिछला 15 साल स खेती पर जनसंख्या क दवाब बढला स ओकर विकास





लै वाला पर कसलक लगाम मुंबई में खुजल बिजेंपाक हेल्पलाइन ार में काज करबा लेल 30 स 40 लाख

मुबंई में भेजपुरिया हेल्प सेंटर खोलल खुलत. एतबे नहि ऐहि स राज्यक गेल अछि. अइ सेंटर में भेजपुरी सिनेमा स जुड़ल लोक-वेदक समस्या सुनल



आखिर कार मिथुन दाक संग छोड़ि देलैथि. ओ बिजेंपा आ बिहारक लोकक भावनाक आदर करैत पहिने कहल अपन गप पर क्षमा माँगि लेलैथि. रविक क्षमा मंगला स बिजेंपा सेहो हुनका प्रति नरम भेल आओर हुनक प्रतिबंध खतम हेबाक संभावना

बढि गेल. सुत्र कहैत अछि जे बिजेंपाक प्रतिबंधक कारण करीब

जगह 12.11 करोड दावा पेश केलक अछि. मोतिपुरके परती परलजमीन पर सीमेंट फक्टरी लेल रनको, चिन्नइ आओर शाही फाइनेंस सेहो अपन-अपन दावा पेश केलक अछि. एकर अलावा सीवान, सकरी आ

मिल खोलबाक लेल दिन-राति एक कनिहार श्री मिश्र कहैत छैथि जे बाकी बचल मिलक मिश्रक कहबा छैन जे बाकी बचल मिल के नव टेंडर

मिथिला के हुए आओर व्यवहारिक हुए, कारण जेकर बिवाह अइसन सिनेमा मैथिल खब देखैत छैथ, मुदा मैथिली में एहन सिनेमा बनिते कहां चालू भ जायत. श्री मिश्र कहैत छैथि जे 11 टा चिनी मिलक टेंडर खुललाक बाद कंपनीक चुनाव भ चुकल अछि. आब मंत्रिमंडलक मंजूरीक बाद जनवरीक अंत धरि कंपनी के मिल सौंपबाक पत्र द देल जायत. श्री मिश्रक अनुसार सरकारक पत्र लेवा स पूर्ण चयनित कंपनी के दावा राशिक 40 प्रतिशत राशि मजा करय पड़त. सरकार स समझौता पत्र भेटलाक बाद कंपनी के बैंक अथवा अन्य आर्थिक एजेंसी स टाका लेबा में मदद भेटत. श्री मिश्र के उम्मीद छैन जे सब किछ् फरवरीक अंतिम सप्ताह में राज्य सरकार कंपनी के समझौता पत्र सौंपी देत. एकर बाद इ मिल सबसके

कनिहार कें भेटत सजा 25 लाख स बेसी मेहनताना रवि किशन मंगलैथि क्षमा सुलह के बाट खुजल पटना : बिजेंपा द्वारा प्रतिबंध लगेला स दुखी रवि किशन

50टा भोजपुरी सिनेमा रीलीज नहीं भ रहल अछि. एहन में भोजपुरी सिनेमाक विकासक लेल प्रतिबंध कम आओर बरबाद करैक लेल बेसी कारगर बुझवा में आबि रहल अछि. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आओर भाजपा नेता शत्रुघ्न सिन्हा तक विजेंपा स प्रतिबंध हटा लेवाक आग्रह केलैथि अछि. बिजेंपा सूत्र कहैत अछि जे प्रतिबंध हटेबा पर निर्णय लगभग ल लेल गेल अछि. कखनो विधिवत कहल जा सकैत अछि. बिहार में रीलीज केय देले गेल रहे. एहि आरोप मे पटना के एकटा सिनेमा हाल के सप्ताह भरि लेल बंद तक कय देल गेल रहै. एतबे नहि सिनेमाक वितरक पर सेहो प्रतिबंध लगा देल गेल रहै.

समस्तीपुर गुराक, न्यू सीवान आओर बिहटाक लेल बियाडाक दोवदारी सब स मजबत निकलल. लेल सेहो फरवरी तक अंडर निकलि जायत. श्री मैथिली में एहन छूट रमानाथ बाबू सेहो देलाह. हुनक अनुसार मानक केवल साहित्य स पहिने ओकर जमीनी स्थितिक फेर स मूल्याकन लेल अछि. आ हम साहित्यक पन्ना मानक केल जायत. ओकर बाद कोनो प्रकारक संशोधन भ मैथिली में लिखबाक प्रयास करब. ओना

चाल करबा लेल सरकार आओर आम आदमीक

1990क दशक में पंजाबी कृषिक उंट पहाड़क

भोजपुरी सिनेमा देखत बिहारी आ कमा रहल अछि मराठी समादिया पटना : बिहार में जड़ भोजपुरी सिनेमाक कम-स-कम पांच दिन तक शुटिंग नहि होयत एहन सिनेमाक बिहार में प्रदर्शन

बिहार –झाड़खंड में आब संभव नहि होयत. बिहार-झारखंड मोशन पिक्चर एसोशिएशन इ एलान केलक. बिजेंपा क वरिष्ठ सदस्य व जदयूक विधायक डा सुनीलक कहलैन जे एशोसिएसन भोजपुरी सिनेमाक लेल कम-स-कम पांच दिन तक बिहार में शुटिंग के अनिवार्य घोषित कय देलके. जे निर्माता अइ निर्देशक पालन नहि करताह हुनकर सिनेमा बिहार-झारखंड में रिलिज नहि तक मांगि रहल छैथ. बिजेंपा ने भेजपूरी आओर भेजपुरी सिनेमा के विकासक हेतन. ओ कहलैनि जे एहि स बिहार में

सिनेमाक निमार्ण आओर विकासक रास्ता

छोट-मोट कलाकारों के अपन प्रतिभा देखेबाक अवसर भेटतैय. बिजेंपा भोजपुरी सिनेमा लेल पहिनो एहन निर्देश जारी केने रहय. ओहि आदेशक अनुसार भेजपुरी सिनेमाक कोनो कलाकार अगर 15 लाख स अधिक मेहनताना मगैत

छैथि, त हुनकर सिनेमा सेहो कोनो हाल में नहि लागत. हालांकि इ कार्रवाई तखनिह होयत कोनो निमार्ण एहि संबंध में बिजेंपा में लिखित रूप स शिकायत करताह. बिजेंपा के शिकायत भेटल छल जे भोजपुरी सिनेमाक दू टा पैघ कलाक. पेज एकक बाकी बचल समाद हाजिर छी...

एकटा कोन महिला आ बच्चो लेल सुरक्षित रहत. आब केवल एकटा गप रहि गेल. मैथिली कोना लिखल जाय. मैथिली बोली आओर भाषा में अंतर अछि. हिंदी देश में 54 प्रकार स बाजल जाइत अछि आओर तीन प्रकार स लिखल जाइत अधि. बंगाली आओर अंगरेजीक संग कछ एहने समस्या अछि. मदा मैथिली एक तरहे लिखबाक प्रयास एकर विस्तारक लेल घातक अछि. मैथिली के भाषाक दर्जा भेटवा मे एकर निर्धारित वर्तनीक महत्वपूर्ण योगदान

रहल. आइ धरि भोजपुरी आ मगही मे मानक

वर्तनी नहि बनि सकल अछि रमानाथ झा आ

किएक त हम जनैत छी जे बिना धन के आ

बिना संपति के हमर जीवन निरर्थक अछि.

हमर उन्नति मे बिहारक उन्नति अछि. पत्रक

जायत आओर ओकर निबटारा केल जायत. बिजेंपा ने मुंबई सिनेमा उद्योगक

लेल किछु और कदम उठेलक अछि.

अनेक पैघ हस्ति के अपन कानून स बांधबक काज केलके. हाले में बिजेंपा ने

मिथुन दाक सिनेमा पर लगाम लगेवा में

सफलता पैलक अछि. हुनकर सिनेमा के बिहार-झारखंड में प्रतिबंधित के दल गेल अछि. एहि स पूर्व मणिरत्नमक सिनेमा गुरू के सेहो बहुत दिक्क्त भेल रहैय. एहि सिनेमा के बिना निबंध के

स्भद्र झा के हम सभ एहि लेल आभारी छी मुदा रमानाथ बाबू पर किछु लोक आरोप लगेलिन जे ओ मैथिलीक दू टा बोली के मानक नहि मानि गलती केलाह आ आइ ओ दोसर भाषाक रूप में पहचान बना रहल अछि. सवाल उठैत अछि जे हिंदी मे 'मेरे को-तेरे को खुब प्रयोग होइत अछि, 'अपुन' सन शब्द शब्दकोश में नहि अछि, मुदा स्कूल-कालेज मे ऐहि शब्दक प्रयोग

अखबारक वर्तनी मिथिला क्षेत्र मे जेना बाजल

जाइत अछि तहिना लिखल जायत. बाकी फेर

कहियो. जय मिथिला, जय बिहार, जय भारत.

नहि होइत अछि.

सकैत अघि. ओना ओ साफ कहैत छैथि जे एहि काज में कोना एहन रास्ता नहि चुनल जायत जे राज्यक विकास लेल बाधक होयत. हनका उम्मेद छैन

से सरकारक प्रयास स जल्द बाकी बचल मिल सेहो

ठीक रहल त अगिला साल लौहट स गरौल तक आओर सीवान स हथुआ मिठास मे डूबी जायत. दवाब कंपनी पर बढ़ि जायत. आशा केल जा सकैत अछि जे अगिला साल तक किछु गिल पूर्णतः त किछु अंशतः चालू भ जायत.

